

## भारत में मसाला क्षेत्र

### प्रलिस के लयः

प्रमुख मसाला उत्पादक राज्य, मसाला क्षेत्र हेतु प्रमुख आँकड़े

### मेन्स के लयः

भारत में मसाला उत्पादन, मसाला क्षेत्र हेतु की गई पहल

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 'स्पाइस स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लांस 2021' पुस्तक का वमोचन कयः है ।

- यह पुस्तक देश में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2020-21 तक के पछले सात वर्षों के दौरान मसालों के उत्पादन में हुई वृद्धि पर प्रकाश डालती है ।

## प्रमुख बढः

### ■ मसालों के वषः में:

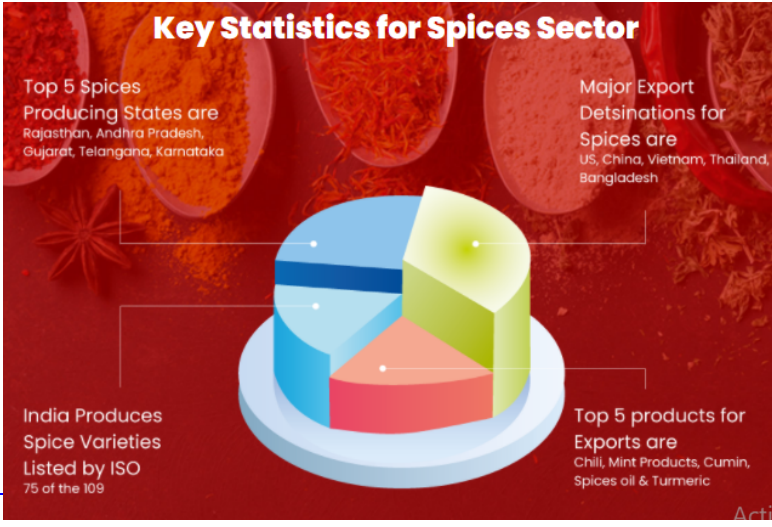
- मसाले बीज, फल, छाल, राइजोम और पौधों के अनन्य भागों से प्राप्त सुगंधित खाद्य उत्पाद प्राप्त होते हैं ।
- उनका उपयोग भोजन के संरक्षण और दवाओं, रंगों एवं इत्र के रूप में कयः जाता है ।
- मसालों को हजारों वर्षों से व्यापार की वस्तुओं के रूप में अत्यधिक महत्त्व दयः गया है ।
  - **मसाला शब्द लैटिन से आया है, जसका अर्थ है 'माल' ।**
- वशः रूप से महामारी की अवधि के दौरान मसालों को स्वास्थ्य प्रक के रूप में मान्यता देने के कारण मसालों की मांग में ज़बरदस्त वृद्धि हुई है ।
  - इसे हल्दी, अदरक, जीरा, मरिच आदि जैसे मसालों के बढ़ते नरःयात से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है ।

### ■ भारत में मसाला उत्पादन:

- भारत मसालों का वशः में सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और नरःयातक देश है ।
- बदलती जलवायु के कारण उषणकटबिंधीय से उपोषणकटबिंधीय, उपोषणकटबिंधीय से समशीतोषण तक लगभग सभी जलवायु के मसालों का भारत में उत्पादन कयः जाता है ।
- वास्तव में भारत के लगभग सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कसी-न-कसी मसाले का उत्पादन कयः जाता है ।
- संसदीय अधिनियम के तहत कुल 52 मसालों को मसाला बोर्ड के दायरे में लाया गया है ।
  - मसाला बोर्ड (वाणज्य और उद्योग मंत्रालय) भारतीय मसालों के विकास और वशःव्यापी प्रचार हेतु प्रमुख संगठन है ।
  - यह मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित कयः गया था ।
- भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं जो उन मसालों का उत्पादन करते हैं जनका राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुत अधिक मूल्य है ।
  - सबसे अच्छा उदाहरण '**कश्मीरी केसर**' है जो दुनिया का सबसे अच्छा केसर है ।
  - कश्मीरी केसर को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग का दर्जा मला है ।

### ■ मसाला व्यापार:

- मसालों का नरःयात देश में सभी बागवानी फसलों के कुल नरःयात आय में 41% का योगदान देता है ।
- यह समुद्री उत्पादों, गैर-बासमती चावल और बासमती चावल के बाद कृषि वस्तुओं में चौथे स्थान पर है ।



## संबंधित सरकारी पहल:

- हाल ही में **भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI)** ने **कोडेक्स एलमेंटेरिस कमीशन (CAC)** के तहत स्थापित **मसालों और पाक जड़ी बूटियों (CCSCH)** पर कोडेक्स समिति के पाँचवें सत्र का उद्घाटन किया।
- मसालों और पाक जड़ी बूटियों पर कोडेक्स समिति (CCSCH) के बारे में:
  - **स्थापना:** इसका गठन वर्ष **2013** में किया गया था।
  - **संदर्भ शर्तें:**
    - मसालों और पाक कला से संबंधित जड़ी बूटियों हेतु उनकी सूखी और नरिजलति अवस्था संबंधी विश्वव्यापी मानकों को वसितृत करना।
    - मानकों के विकास की प्रक्रिया में दोहराव से बचने के लिये अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ परामर्श करना आवश्यक है।

## स्रोत: पीआईबी

PDF Referenece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spices-sector-in-india>